**भारत सरकार**
**नागर विमानन मंत्रालय**
**लोक सभा**
**लिखित प्रश्न संख्या: 1715**
गुरुवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

**जीएजीएएन (गगन) का कार्यान्वयन**

**1715. श्री एम.के. राघवन:**

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पूरे देश में गगन को लागू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का कालीकट विमानपत्तन पर नया तकनीकी भवन और एटीसी टावर निर्माण करने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में अब तक हुई प्रगति क्या है और यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं; और

(घ) क्या यह सच है कि कालीकट विमानपत्तन पर डिजी यात्रा योजना कार्यान्वित की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क): जीपीएस एडेड जीईओ ऑगमेंटेड नेविगेशन (गगन) प्रणाली, भारतीय उपग्रह-आधारित दिक्चालन प्रणाली है जिसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इसे नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा भारतीय उड़ान सूचना क्षेत्र (एफआईआर) पर मार्गस्त दिक्चालन (आरएनपी 0.1) सेवाएं और भारतीय भूभाग में वायुयान परिचालन के लिए एप्रोच विद वर्टिकल गाइडेंस (एपीवी 1) दिक्चालन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रमाणित किया गया है जो आवश्यक प्रमाणन को पूरा करते हैं।

(ख) और (ग): नए तकनीकी भवन और एटीसी टावर के निर्माण सहित हवाईअड्डों का विस्तार और आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है और इसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) और अन्य हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा समय-समय पर भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, सामाजिक-आर्थिक विचारों, यातायात की मांग और एयरलाइनों की ऐसे हवाईअड्डों से प्रचालन करने की इच्छा के आधार पर किया जाता है।

(घ): जी नहीं। तथापि, डिजी यात्रा को चरणबद्ध रूप से सभी हवाईअड्डों पर लागू किया जाना है।

******